अणुव्रत जीवन शुद्धि का आन्दोलन-मुनि जयन्त कुमार

वर्तमान समस्याओं के समाधान में अणुव्रत आन्दोलन की भूमिका विषयक सम्मेलन

फोटो -८सीएचपीआर१,२,३,४,५,६,७

केप्सन - १ मंगलाचरण प्रस्तुत करती कन्या व महिला मण्डल की बहिने।

२ मंचस्थ अतिथि।

३ समाज की प्रतिभा का अभिनन्दन करते अतिथि।

४ सम्मेलन में उपस्थित जनसमूह।

५ सम्मेलन में उपस्थित जन समूह।

६ सम्मेलन को सम्बोधित करते अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष माहिर आजाद।

७ सम्मेलन को सम्बोधित करते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी।

छापर, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि आज व्यक्ति भौतिकता की ओर बढ़ रहा है जिसके कारण उसके नैतिक मूल्यों में गिरावट आने लगी है। उन्होंने कहा कि नैतिकता के अभाव में व्यक्ति असंयमित होकर हिंसा की ओर बढ़ने लगा है जो समाज व राष्ट्र के विकास के लिए चिन्ताजनक है। चतुर्वेदी रविवार को छापर कस्बे के कालूकल्याण केन्द्र में जैन श्वेताम्बर तेरापंथ सभा के तत्वावधान में वर्तमान समस्याओं के समाधान में अणुव्रत आन्दोलन की भूमिका विषय पर आयोजित अणुव्रत सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। शासनश्री मुनि सुमेरमल सुदर्शन के सानिध्य में हुये इस कार्यक्रम में भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि आचार्य तुलसी ने मानव जाति के उत्थान के लिए अणुव्रत का सूत्रपात किया जो मानवता व चारित्रिक विकास के दृष्टिकोण से आधुनिक समय की आवश्यकता है। उन्होंने अणुव्रत आन्दोलन को धर्म विशेष से न जोड़ कर मानव जाति से जोड़ने की बात कही। जबकि अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष माहिर आजाद ने कहा कि धर्म धारणा से बनते है ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति अपने धर्म को जरूर माने लेकिन उसके साथ-साथ अणुव्रत के सिद्धान्तों को जरूर अपनाये ताकि समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना की जा सके। उन्होंने कहा कि इन्द्रियों व इच्छाओं पर नियन्त्रण केवल अणुव्रत के माध्यम से ही किया जा सकता है ऐसे में अणुव्रत के छोटे-छोटे नियमों व संकल्पों के माध्यम से व्यक्ति अपने आचरण के साथ-साथ समाज, राष्ट्र व विश्व को भी नई दिशा प्रदान कर सकता है। उन्होंने संग्रह की प्रवृति को त्यागने का आह्वान करते हुये कहा कि अणुव्रत की पालना ही एक ऐसा उपाय है जिससे नैतिक मूल्यों की स्थापना की जा सकती है। इस अवसर पर उन्होंने अणुव्रत आन्दोलन को व्यापक रूप देने की भी आवश्यकता जताई। इसी कड़ी में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि भारत देश जब स्वतन्त्र हुआ तब महज २१ वर्ष की आयु में ही आचार्य तुलसी ने चिन्तन किया कि व्यक्ति को सुख व शांति कैसे मिले तथा व्यक्ति का निर्माण कैसे हो इसी भावना को लेकर १९४८ में अणुव्रत आन्दोलन का सूत्रपात किया। चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि तकनीकी विकास के साथ-साथ प्रत्येक विषय-वस्तु का विकास हुआ है लेकिन मानव का विकास वहीं अटका हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को विकास करने के लिए ऊंची उड़ान की आवश्यकता नहीं केवल छोटा से चिन्तन ही बहुत बड़ा बदलाव ला सकता है तथा आचार्य तुलसी के अणुव्रत के ११ छोटे-छोटे नियम समाज में मानवीय मूल्यों को प्रतिष्ठित कर सकते है। समणी ने कहा कि वर्तमान में व्यक्ति सुविधावादी बन गया है जिससे वह संयमित जीवन नहीं जी पा रहा है जिसके चलते व्यक्ति प्रत्येक क्षेत्र में हिंसा के मार्ग पर चलने लगा है ऐसे में व्यक्ति के मन के विकारों को दूर करने का अणुव्रत एक सशक्त उपाय है। कार्यक्रम में उपस्थित तेरापंथ धर्मसंघ के जन सम्पर्क प्रभारी मुनि जयन्त कुमार ने

जयन्त कुमार ने कहा कि भारत एक लोकतान्त्रिक देश है जहां सबको अपने विचार रखने का अधिकार है तथा जिसका उपयोग करते हुये समय-समय पर कई आन्दोलन चलाये गये लेकिन अणुव्रत आन्दोलन सभी प्रकार के आन्दोलनों से अलग है जिसका एक मात्र उद्देश्य जीवन शुद्धि से जुड़ा है। उन्होंने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कहा कि देश के इतने बड़े सशक्त कानून में भी भ्रष्टाचार का बोलबाला है तथा आये दिन नये कानून बनाने की बात की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब तक व्यक्ति के हृदय को नहीं बदला जायेगा समाज में विकृतियां जारी रहेगी क्योंकि व्यक्ति के हृदय में बदलाव के बिना सुखी समाज व राष्ट्र की कल्पना करना बेकार है। मुनि जयन्त कुमार ने धर्म मंच पर नेताओं को बुलाने पर एतराज जताने वालों को करार जवाब देते हुये कहा कि कुछ लोग कहते है कि नेता सब भ्रष्ट होते है इन्हें धर्म मंच पर नहीं बुलाना चाहिए लेकिन मेरा ऐसा मानना नहीं है। अगर नेता संतों के पास नहीं आयेंगे, भ्रष्टाचार, हिंसा, अपराध में लिप्त आदमी हमारी बात नहीं सुनेगा तो बदलाव कैसे आयेगा। यह कार्यक्रम अणुव्रत के माध्यम से नेताओं के भीतर नैतिकता उत्पन्न करने का माध्यम है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरूआत में कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा ने आचार्य महाश्रमण के सन्देश का वाचन कर आयोजकीय पृष्ठभूमि को रेखांकित किया तत्पश्चात उन्होंने मंचस्थ अतिथियों का परिचय दिया। तेरापंथ सभाध्यक्ष कमलसिंह छाजेड़ की अध्यक्षता में हुये इस सम्मेलन को रतनगढ़ विधायक राजकुमार रिणवा, ओबीसी कमीशन के सचिव सीबी शर्मा, व मुनि सुमेरमल सुदर्शन ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अणुव्रत समिति के प्रवक्ता प्रदीप सुराणा ने किया।

अतिथियों का हुआ सम्मान

सम्मेलन में शिरकत करने आये भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष अरूण चतुर्वेदी, अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष माहिर आजाद, जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा, रतनगढ़ विधायक राजकुमार रिणवा, ओबीसी कमीशन के सचिव डॉ. सीबी शर्मा, भाजपा के जिलाध्यक्ष बसन्त शर्मा व समाजसेवी रूपचंद दुधोडिया को कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा, तेरापंथ सभाध्यक्ष कमलसिंह छाजेड़, बिमल दुधोड़िया, रणजीत दूगड़, जीवनमल मालू, हुक्माराम बरवड़, बाबूलाल दुधोड़िया, सूरजमल नाहटा, किसनलाल सुराणा, लक्ष्मीपत्त सुराणा, चमन दुधोड़िया, नरेन्द्र दुधोड़िया, राहुल दुधोड़िया, कन्या मण्डल संयोजिका मंजू दुधोड़िया, सज्जनदेवी नाहटा, शांति दुधोड़िया, हर्षा दुधोड़िया, बिमला नाहटा व पुष्पा दुधोड़िया ने तेरापंथ का प्रतीक चिह्न भेंट कर अभिनन्दन किया।

हर्षा व जयश्री का अभिनन्दन

सम्मेलन में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल द्वारा आयोजित निबंध प्रतियोगिता में अव्वल रहने वाली क्षेत्र की दो प्रतिभाओं का अतिथियों ने प्रतीक चिह्न भेंट कर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान पर रहने वाली छापर की हर्षलता दुधोड़िया व तृतीय स्थान पर रहने वाली बीदासर कस्बे की जयश्री बांठिया को अतिथियों ने सम्मानित किया।

अणुव्रत पर हुई मंत्रणा

सम्मेलन के तुरन्त पश्चात कालू कल्याण केन्द्र के सभागार में जिले भर से आये अणुव्रत कार्यकर्ताओं व अतिथियों के साथ जन सम्पर्क प्रभारी मुनि जयन्त कुमार व समणी चारित्रप्रज्ञा ने अणुव्रत पर विस्तार से मंत्रणा की। इस अवसर पर मुनि जयन्त कुमार ने मंत्रणा के दौरान जिले भर से आये श्रावक समाज व अतिथियों से आह्वान किया कि समाज में नैतिक मूल्यों के विकास के लिए अणुव्रत जैसे आन्दोलन को व्यापक स्तर पर प्रसारित करे ताकि व्यक्ति,समाज व राष्ट्र का

सर्वांगीण विकास हो सके। जिस पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष, अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष व ओबीसी कमीशन के सचिव ने कहा कि अणुव्रत जैसे आन्दोलन को व्यापक स्तर पर पहुंचाने के लिए वे सदैव तत्पर रहेंगे।

सम्मेलन में उमड़े अणुव्रती

सम्मेलन में शामिल होने के लिए जिले भर के अणुव्रत कार्यकर्ता व सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी रविवार को छापर पहुंचे। इस अवसर पर छापर के अलावा, चाड़वास, बीदासर, साण्डवा, लाडनूं, सुजानगढ़, पड़िहारा, राजलदेसर, रतनगढ़, सरदारशहर व चूरू सहित अनेक स्थानों के सैंकड़ों अणुव्रतियों ने सम्मेलन का लाभ उठाया। इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक प्रदीप सुराणा ने दूर दराज से आये अणुव्रती कार्यकर्ताओं का आभार जताया।